10 बैगलेस दिवस

गतिविधि रजिस्टर

सत्र = 2026-27

Gyan Hub 5 YouTube Channel

विद्यालय का नाम -

UDISE कोड -

ब्लॉक -

जिला -

शिक्षक(गतिविधि संचालक) का नाम -

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
एवं
राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय

समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ -226007

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

निपुण भारत

वेब-साइट: www.basiceducation.up.gov.in, ई-मेल: upefaspo@gmail.com दूरभाष: 0522-4024440, 2780384, 2781128

सेवा में,

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
समस्त जनपद, उ0प्र0।

पत्रांक गुण0वि0/ समग्र–बैगलेस दिवस/ 3496/2026–27 दिनांक 07.8 2026

विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य में 10 बैगलेस दिवसों के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में स्कूली शिक्षा की मुख्यधारा में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों को चरणबद्ध तरीके से एकीकृत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल निर्माण, श्रम की गरिमा एवं भारतीय हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन देना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस विषय पर बल दिया गया है कि विद्यार्थियों को कक्षा–6 से ही व्यावसायिक विषयों से अवगत कराया जाए तथा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन महत्व के स्थानों/स्मारकों से जागरूक किया जाए, जिससे कि विद्यार्थियों को विद्यालय के बाहर की महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक गतिविधियों से भी अवगत कराया जा सके। इस परिप्रेक्ष्य में एक शैक्षिक सत्र में 10 बैगलेस दिवसों की संकल्पना की गई है।

2– राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुपालन मे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, विभिन्न क्लब्स का गठन, स्पोर्ट्स गतिविधियां, लर्निंग बाइ डूइंग कार्यक्रम जैसी गतिविधियों का क्रियान्वयन पूर्व से ही किया जा रहा है। इसी सातत्य में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 द्वारा परिषदीय उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपयोगार्थ प्रत्येक शैक्षिक सत्र में 10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन हेतु **'आनंदम'** मार्गदर्शिका विकसित की गयी है।

3– **उद्देश्य :–**

1. **आनंदमय वातावरण:** विद्यार्थियों को आनंदमय वातावरण में सीखने का अनुभव प्रदान करना।
2. **अनुभवात्मक शिक्षा:** विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं अनुभवजन्य शिक्षा प्रदान करना।
3. **समग्र विकास:** शिक्षा में समग्र और समावेशी विकास पर बल देना, जिससे कि विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ ही वास्तविक जीवन की स्थितियों में निष्पक्ष विश्लेषण और मूल्यांकन की समझ विकसित हो सके।
4. **कौशल विकास:** अवलोकन–आधारित सीखने की क्षमता को बढ़ावा देना तथा कौशल आधारित गतिविधियों के माध्यम से श्रम की गरिमा को बढ़ाना।
5. **सामुदायिक जुड़ाव:** समुदाय के साथ जुड़ाव और पारस्परिक निर्भरता की भावना विकसित करना।
6. **व्यवसायिक उन्मुखीकरण:** विद्यार्थियों में स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों तथा स्थानीय व्यवसायों की समझ विकसित करना, जिससे कि भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।
7. **राष्ट्रीय संकल्पना:** आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'ओ0डी0ओ0पी0' (ODOP) की अवधारणा के प्रति जागरूक करना।

4– **गतिविधियां एवं क्रियान्वयन–**

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 द्वारा विकसित **'आनंदम'** मॉड्यूल में 10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है। इस मॉड्यूल में 34 विषय/गतिविधियों की सूची दी गई है। यह मॉड्यूल मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित है:–

भाग 1: विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी।
भाग 2: सार्वजनिक कार्यालय, स्थानीय उद्योग और व्यवसाय।
भाग 3: कला, संस्कृति और इतिहास।

समग्र शिक्षा के अन्तर्गत परिषदीय उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों में 10 Bagless days संबंधी गतिविधियों का क्रियान्वयन शिक्षकों के निर्देशन में **शनिवार** को किया जाएगा। तत्सम्बन्धी गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु निम्नवत् निर्देशित किया जाता है:-

1. **प्रशिक्षण** : परिषदीय उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों में बैगलेस डे संबंधी गतिविधियों के कियान्वयन हेतु एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा शिक्षक-प्रशिक्षण के संबंध में सुसंगत निर्देश प्रेषित किये जायेंगे।
2. **सहयोगात्मक पर्यवेक्षण** के समय SRG, ARP एवं डायट मेंटर द्वारा बैगलेस दिवस के महत्वपूर्ण विषयों पर शैक्षिक सपोर्ट प्रदान किया जाएगा।
3. **<u>गतिविधियों का कैलेण्डर</u> :-**

समग्र शिक्षा के अन्तर्गत परिषदीय उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026-27 (माह अगस्त, 2026 से नवम्बर, 2026) में शनिवार को 10 बैगलेस डे संबंधी गतिविधियों के कियान्वयन हेतु समय-सारिणी निम्नवत् है :-

कम	माह	प्रस्तावित तिथि	गतिविधि विकल्प-1	गतिविधि विकल्प-2	गतिविधि विकल्प-3
1.	अगस्त, 2026	22 अगस्त (चतुर्थ शनिवार)	मिट्टी से खिलौना, मूर्ति एवं कलाकृति निर्माण	स्थानीय कुम्हार/शिल्पकार के साथ कौशल कार्यशाला	विद्यालय कला एवं शिल्प प्रदर्शनी
2.	अगस्त, 2026	29 अगस्त (पंचम शनिवार)	औषधीय पौधों का उद्यान विकास	कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण	विद्यालय रसोई उद्यान (Kitchen Garden)
3.	सितम्बर, 2026	12 सितम्बर (द्वितीय शनिवार)	जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन अध्ययन	मृदा परीक्षण एवं कृषि विज्ञान गतिविधियाँ	जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि परिचय
4.	सितम्बर, 2026	19 सितम्बर (तृतीय शनिवार)	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा चाइल्ड सेफ्टी (गुड टच एवं बैड टच)	सिलाई एवं डिजाइन का कार्य तथा कठपुतली निर्माण एवं कहानी मंचन	जूट से क्राफ्ट निर्माण एवं निष्प्रयोज्य वस्तुओं से गुड़िया बनाने की कला
5.	सितम्बर, 2026	26 सितम्बर (चतुर्थ शनिवार)	पतंग निर्माण एवं उड़ान विज्ञान	सरल विज्ञान एवं नवाचार प्रयोगशाला	STEM मॉडल निर्माण प्रतियोगिता
6.	सितम्बर, 2026	03 अक्टूबर (प्रथम शनिवार)	मिनी बैंक एवं वित्तीय साक्षरता	उद्यमिता एवं व्यवसाय मॉडल गतिविधि	स्थानीय बैंक/डाकघर/पुलिस थाने/निजी उद्योग का भ्रमण
7.	अक्टूबर, 2026	10 अक्टूबर (द्वितीय शनिवार)	डूडलिंग एवं दृश्य रचनात्मकता कार्यशाला	म्यूरल (भित्ति चित्र) निर्माण	संगीत, नृत्य, नाटक एवं अन्य गतिविधियां
8.	अक्टूबर, 2026	17 अक्टूबर (तृतीय शनिवार)	फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी	राष्ट्रीय/ऐतिहासिक स्मारकों की यात्रा	सार्वजनिक कार्यालयों का भ्रमण/ग्राम पंचायत चुनाव प्रक्रिया
9.	अक्टूबर, 2026	24 अक्टूबर (चतुर्थ शनिवार)	निर्माण स्थल एवं सार्वजनिक अवसंरचना अध्ययन	स्थानीय उद्योग/ कारीगर इकाई भ्रमण	जलापूर्ति एवं सार्वजनिक सेवाओं का अध्ययन
10.	अक्टूबर, 2026	31 अक्टूबर (पंचम शनिवार)	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं रोबोटिक्स परिचय	Scratch Coding एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग	ड्रोन, सेंसर एवं उभरती प्रौद्योगिकी परिचय
11.	**नवम्बर, 2026 बाल मेले का आयोजन**	**14 नवम्बर (द्वितीय शनिवार)**	**छात्र-छात्राओं द्वारा बैगलेस डे के अन्तर्गत कियान्वित गतिविधियों, प्रोजेक्ट कार्य आदि के संबंध में बाल मेले का आयोजन। उक्त बाल मेले में अभिभावकों एवं एस0एम0सी0 सदस्यों को भी आमंत्रित किया जायेगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया जायेगा।**		
	उपर्युक्त गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु कुल अनुमन्य धनराशि				**रू0 6500.00**

<u>नोट-</u> सत्र परीक्षा एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षा की स्थिति में बैगलेस डे संबंधी गतिविधियां आगामी शनिवार को आयोजित की जायेंगी।

उपर्युक्तानुसार धनराशि का उपयोग निम्नलिखित मदों/सामग्री कय पर किया जा सकता है:-

- मिट्टी, रंग, ब्रश, चार्ट, स्टेशनरी एवं हस्तशिल्प सामग्री।
- पौधे, बीज, जैविक खाद, उद्यान उपकरण एवं पर्यावरणीय गतिविधि सामग्री।
- विज्ञान प्रयोग सामग्री, STEM किट एवं मॉडल निर्माण सामग्री।
- मृदा परीक्षण किट, जल परीक्षण किट एवं पर्यावरण अध्ययन सामग्री।

- कठपुतली, कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु स्थानीय सामग्री।
- डूडलिंग, म्यूरल एवं दृश्य कला सामग्री।
- स्थानीय विशेषज्ञों, कलाकारों एवं रिसोर्स पर्सन की सेवाओं हेतु सीमित प्रोत्साहन धनराशि।
- भ्रमण, प्रकृति अध्ययन एवं फील्ड विजिट हेतु स्थानीय परिवहन सहायता (आवश्यकतानुसार)।
- AI, रोबोटिक्स एवं कोडिंग गतिविधियों हेतु डिजिटल लोकल संसाधन।
- प्रदर्शनी, प्रमाण–पत्र, अभिलेखीकरण एवं प्रस्तुतीकरण सामग्री।
- आवश्यकतानुसार स्थानीय कलाकार, कला/संगीत शिक्षक अथवा डिजाइन विशेषज्ञ को सीमित दैनिक प्रोत्साहन धनराशि।

5– **गतिविधि कियान्वयन हेतु सुझाव :–**

1. **गतिविधि चयन:** गतिविधियों के चयन में स्थानीय आवश्यकता और परिवेश के अनुरूप यथावश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकता है।
2. **संसाधन जुटाना:** प्रधानाध्यापक द्वारा उपर्युक्त **बिन्दु 4(3)– "गतिविधियों का कैलेण्डर",** में उल्लिखित गतिविधियों के उपयोगार्थ सामग्री की व्यवस्था तथा आवश्यकतानुसार संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाएगी। इस प्रयोजन हेतु निर्धारित अधिकतम सीमा के अन्तर्गत व्यय की अनुमति प्रदान की जा रही है।
3. **सामुदायिक सहभागिता:** प्रधानाध्यापक और शिक्षक द्वारा स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, विशेषज्ञों और समुदाय के अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा सकता है। लर्निंग बाइ डूईंग कार्यक्रम हेतु चयनित विद्यालयों में सुझावात्मक गतिविधियों के अतिरिक्त लर्निंग बाइ डूईंग की गतिविधियां भी संचालित की जा सकती हैं।
4. **समावेशी वातावरण:** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की भागीदारी सुनिश्चित कराये जाने हेतु योजना बनाई जाए तथा इसके लिए स्पेशल एजूकेटर्स द्वारा अपेक्षित सहयोग भी प्रदान किया जाये।
5. **अभिभावक जागरूकता:** शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को 10 बैगलेस दिवसों के महत्व से अवगत कराया जाए और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।
6. **अभिलेखीकरण** : गतिविधियों का अभिलेखीकरण किया जाए तथा बैगलेस दिवस संबंधी गतिविधियों के क्रियान्वयन के फोटोग्राफ (High Resolution Photos), लघु वीडियो तथा Best Practices संकलित कर राज्य परियोजना कार्यालय को प्रेषित की जायें।

6– **वित्तीय निर्देश**

समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2026–27 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा Project Innovation (Recurring) के अन्तर्गत Project Based Learning/Bagless Days मद में रू0 6500/– प्रति उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालय की दर से स्वीकृति प्रदान की गयी है। तत्कम में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों में बैगलेस डे संबंधी गतिविधियों के कियान्वयन हेतु जनपदों को कुल धनराशि **रू0 2894.2550 लाख (रूपये अट्ठाइस करोड़ चौरानबे लाख पच्चीस हजार पाँच सौ मात्र)** की लिमिट जारी की जायेगी। **तत्संबंधी जनपदवार विवरण निम्नवत् प्रस्तुत है :–**

2026-27 Released Budget for Bagless Days (UPS)					
Released Head & Component code		*Major component : Quality Intervention*			
		Sub component : Fund for quality (LEP, Innovation, Guidance etc)			
		Activity : Innovation Project (Elementary Recurring)			
		Sub Activity : Bagless Day			
		Component code : F.01.12.20			
					In lakh
S No	District Name	Recommended Budget under Bagless day		Released Budget for Youth & Bagless Days	
		Phy.	Fin @ 0.065	Phy.	Fin @ 0.065
1	2	3	4	5	6
1	AGRA	851	55.315	851	55.3150
2	ALIGARH	719	46.735	719	46.7350

3	AMBEDKAR NAGAR	501	32.565	501	32.5650
4	AMETHI - CSM NAGAR	415	26.975	415	26.9750
5	AURAIYA	445	28.925	445	28.9250
6	AZAMGARH	943	61.295	943	61.2950
7	BAGHPAT	182	11.830	182	11.8300
8	BAHRAICH	960	62.400	960	62.4000
9	BALLIA	610	39.650	610	39.6500
10	BALRAMPUR	634	41.210	634	41.2100
11	BANDA	621	40.365	621	40.3650
12	BARABANKI	830	53.950	830	53.9500
13	BAREILLY	771	50.115	771	50.1150
14	BASTI	621	40.365	621	40.3650
15	BHADOI	354	23.010	354	23.0100
16	BIJNOR	748	48.620	748	48.6200
17	BUDAUN	640	41.600	640	41.6000
18	BULANDSHAHR	745	48.425	745	48.4250
19	CHANDAULI	457	29.705	457	29.7050
20	CHITRAKOOT	438	28.470	438	28.4700
21	DEORIA	714	46.410	714	46.4100
22	ETAH	552	35.880	552	35.8800
23	ETAWAH	527	34.255	527	34.2550
24	FAIZABAD	554	36.010	554	36.0100
25	FARRUKHABAD	557	36.205	557	36.2050
26	FATEHPUR	734	47.710	734	47.7100
27	FIROZABAD	614	39.910	614	39.9100
28	GAUTAM BUDDHA NAGAR	208	13.520	208	13.5200
29	GHAZIABAD	188	12.220	188	12.2200
30	GHAZIPUR	779	50.635	779	50.6350
31	GONDA	877	57.005	877	57.0050
32	GORAKHPUR	807	52.455	807	52.4550
33	HAMIRPUR (U.P.)	366	23.790	366	23.7900
34	HAPUR (PANCHSHEEL NAGAR)	202	13.130	202	13.1300
35	HARDOI	1002	65.130	1002	65.1300
36	HATHRAS	444	28.860	444	28.8600
37	JALAUN	548	35.620	548	35.6200
38	JAUNPUR	850	55.250	850	55.2500
39	JHANSI	553	35.945	553	35.9450
40	JYOTIBA PHULE NAGAR (AMROHA)	472	30.680	472	30.6800
41	KANNAUJ	444	28.860	444	28.8600
42	KANPUR DEHAT	657	42.705	657	42.7050
43	KANPUR NAGAR	611	39.715	611	39.7150
44	KANSHIRAM NAGAR	429	27.885	429	27.8850
45	KAUSHAMBI	460	29.900	460	29.9000
46	KHERI	1105	71.825	1105	71.8250
47	KUSHINAGAR	800	52.000	800	52.0000
48	LALITPUR	481	31.265	481	31.2650
49	LUCKNOW	456	29.640	456	29.6400
50	MAHARAJGANJ	645	41.925	645	41.9250

51	MAHOBA	348	22.620	348	22.6200
52	MAINPURI	544	35.360	544	35.3600
53	MATHURA	581	37.765	581	37.7650
54	MAU	431	28.015	431	28.0150
55	MEERUT	419	27.235	419	27.2350
56	MIRZAPUR	588	38.220	588	38.2200
57	MORADABAD	513	33.345	513	33.3450
58	MUZAFFARNAGAR	371	24.115	371	24.1150
59	PILIBHIT	563	36.595	563	36.5950
60	PRATAPGARH	709	46.085	709	46.0850
61	PRAYAGRAJ	970	63.050	970	63.0500
62	RAE BARELI	602	39.130	602	39.1300
63	RAMPUR	621	40.365	621	40.3650
64	SAHARANPUR	557	36.205	557	36.2050
65	SAMBHAL (BHIM NAGAR)	465	30.225	465	30.2250
66	SANT KABIR NAGAR	430	27.950	430	27.9500
67	SHAHJAHANPUR	875	56.875	875	56.8750
68	SHAMLI (PRABUDH NAGAR)	203	13.195	203	13.1950
69	SHRAWASTI	383	24.895	383	24.8950
70	SIDDHARTHNAGAR	711	46.215	711	46.2150
71	SITAPUR	1122	72.930	1122	72.9300
72	SONBHADRA	654	42.510	654	42.5100
73	SULTANPUR	592	38.480	592	38.4800
74	UNNAO	814	52.910	814	52.9100
75	VARANASI	340	22.100	340	22.1000
	Total	**44527**	**2894.255**	**44527**	**2894.2550**

उक्त धनराशि संबंधी लिमिट निम्नांकित निर्देशों के अधीन निर्गत की जायेगी :–

1) प्रेषित की जाने वाली धनराशि का व्यय SNA-SPARSH पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा।
2) प्रेषित की जाने वाली धनराशि संबंधी लिमिट जारी होने के उपरान्त **03 दिवस के अन्दर** विद्यालयों के एस०एम०सी० खाते में अन्तरित की जायेगी।
3) उक्त धनराशि आवर्तक मद (Recurring Head) के अन्तर्गत निर्गत की जायेगी।
4) भुगतान करते समय बजट शीट में अंकित PFMS Component Code एवं गतिविधि का चयन सावधानी पूर्वक किया जायेगा तथा उल्लिखित मद से ही भुगतान सुनिश्चित किया जायेगा।
5) अवमुक्त की जाने वाली धनराशि का उपभोग उल्लिखित मद में अवश्य भरा जायेगा।
6) स्वीकृत धनराशि का उपभोग अवमुक्त धनराशि के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत बजट के अतिरिक्त देयताओं का सृजन करना वित्तीय अनियमितता माना जायेगा।
7) व्यय से संबंधित बिल वाउचर विद्यालय स्तर पर सुरक्षित रखे जायेंगे एवं नियमानुसार आंतरिक एवं वैधानिक सम्प्रेक्षण के समय प्रस्तुत किये जायेंगे।
8) जारी धनराशि का व्यय–विवरण पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का उत्तरदायित्व जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) का होगा।
9) गतिविधियों के कियान्वयन हेतु सामग्री कय में किसी भी दशा में केन्द्रीयकृत प्रकिया अमल में नहीं लायी जायेगी तथा कय हेतु अवमुक्त धनराशि का उपयोग वित्तीय निर्देशानुसार विद्यालय स्तर पर ही किया जायेगा।

M.

7– अनुश्रवण :–

1) जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अनुश्रवण करते हुये गतिविधियों का समयान्तर्गत कियान्वयन सुनिश्चित कराया जायेगा।

2) विद्यालय स्तर पर सामग्री के समयान्तर्गत क्रय, गुणवत्ता एवं उपलब्धता तथा बैगलेस डे गतिविधियों के कियान्वयन हेतु संबंधित प्रधानाध्यापक पूर्णतः उत्तरदायी होंगे।

3) विद्यालयों के निरीक्षण तथा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान बैगलेस डे संबंधी आयोजित की गयी गतिविधियों के संबंध में भी अनुश्रवण किया जायेगा।

अतः निर्देशित किया जाता है कि शैक्षिक सत्र 2026–27 में 10 बैगलेस दिवस गतिविधियों के कियान्वयन हेतु अपने स्तर से सर्वसंबंधित को निर्देशित करना सुनिश्चित करें।

भवदीया,

6/8/26

(मोनिका रानी)
राज्य परियोजना निदेशक

पृ0सं0: गुण0वि0/ समग्र शिक्षा–बैगलेस दिवस/ 3496/2026–27 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
2. जिलाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
3. मुख्य विकास अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
4. शिक्षा निदेशक (बेसिक), बेसिक शिक्षा निदेशालय, निशातगंज, लखनऊ, उ0प्र0।
5. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, निशातगंज, लखनऊ, उ0प्र0।
6. सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज।
7. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
8. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
9. खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकास खण्ड, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
10. जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) एवं जिला समन्वयक (निपुण भारत मिशन), समग्र शिक्षा, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

6/8/26

(मोनिका रानी)
राज्य परियोजना निदेशक

■ प्रथम बैगलेस दिवस गतिविधि

मिट्टी से खिलौना, मूर्ति एवं कलाकृति निर्माण गतिविधि

दिनाँक- 22 अगस्त 2026 **दिन- शनिवार**

विद्यालय का नाम - **UDISE कोड-**

विकास खंड - **जनपद-**

कक्षा: 6 से 8

गतिविधि का नाम: मिट्टी से खिलौना, मूर्ति एवं कलाकृति निर्माण

गतिविधि का प्रकार: कला एवं शिल्प गतिविधि

1. गतिविधि का परिचय

मिट्टी हमारे आसपास आसानी से उपलब्ध होने वाली प्राकृतिक सामग्री है। इससे विभिन्न प्रकार के खिलौने, पशु-पक्षियों की आकृतियाँ, मूर्तियाँ, सजावटी वस्तुएँ तथा अन्य कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को मिट्टी के साथ रचनात्मक कार्य करने तथा अपनी कल्पना को कलाकृति के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।

2. गतिविधि के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं कलात्मक क्षमता का विकास करना।
2. विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता को बढ़ाना।
3. मिट्टी जैसी प्राकृतिक सामग्री के उपयोग से हस्तकौशल विकसित करना।
4. भारतीय लोककला एवं पारंपरिक हस्तशिल्प के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
5. विद्यार्थियों में धैर्य, एकाग्रता और सृजनात्मक सोच का विकास करना।

Gyan Hub5 YouTube Channel

6. स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के प्रति जागरूक करना।
7. विद्यार्थियों में अपने हाथों से वस्तुएँ बनाने का आत्मविश्वास विकसित करना।
8. समूह में कार्य करने, एक-दूसरे की सहायता करने तथा अपनी कला प्रस्तुत करने की भावना विकसित करना।

3. प्रयुक्त सामग्री

- चिकनी एवं साफ मिट्टी
- पानी
- लकड़ी की छोटी छड़ी
- मिट्टी काटने/आकार देने का उपकरण
- पुरानी प्लेट या तख्ती
- टूथपिक/पेंसिल की नोक
- प्राकृतिक रंग अथवा पोस्टर कलर
- ब्रश
- कपड़ा
- समाचार पत्र/पॉलीथिन
- सजावट के लिए उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री
- पानी रखने के लिए पात्र

Gyan Hub 5 YouTube Channel

4. गतिविधि की प्रक्रिया

चरण 1 – मिट्टी का चयन एवं तैयारी

सबसे पहले साफ और चिकनी मिट्टी ली गई। मिट्टी में उपस्थित कंकड़-पत्थर एवं अन्य अशुद्धियों को अलग किया गया। आवश्यकता के अनुसार मिट्टी में थोड़ा पानी मिलाकर उसे अच्छी तरह गूंथा गया।

चरण 2 – मिट्टी को आकार देना

तैयार मिट्टी को हाथों से दबाकर, बेलकर और घुमाकर मनचाहा आकार दिया गया। विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार खिलौने, पशु-पक्षी, फल, फूल, मानव आकृति तथा अन्य कलाकृतियाँ बनाने का प्रयास किया।

चरण 3 – आकृति को सुंदर बनाना

लकड़ी की छड़ी, टूथपिक अथवा अन्य उपलब्ध उपकरणों की सहायता से आँख, कान, बाल, कपड़े, पत्तियाँ, फूल आदि के सूक्ष्म विवरण बनाए गए।

चरण 4 – कलाकृति को सुखाना

तैयार कलाकृतियों को सावधानीपूर्वक समतल स्थान पर रखकर प्राकृतिक रूप से सुखाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि कलाकृति को तेज धूप में अचानक रखने से उसमें दरार आ सकती है।

चरण 5 – रंग एवं सजावट

सूखने के बाद कलाकृतियों पर अपनी पसंद के रंगों से रंग किया गया। विद्यार्थियों ने अलग-अलग रंगों और डिजाइनों का प्रयोग करके अपनी कलाकृतियों को आकर्षक बनाया।

चरण 6 – प्रदर्शनी एवं प्रस्तुतीकरण

सभी विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को कक्षा में प्रदर्शित किया गया। प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी कलाकृति के बारे में संक्षेप में बताया कि उसने क्या बनाया, क्यों बनाया और उसे बनाने में किन तकनीकों का प्रयोग किया।

5. बनाई गई कलाकृतियों

विद्यार्थियों द्वारा निम्न वस्तुएँ बनाई गयी –

- मिट्टी के खिलौने

Gyan Hub 5 YouTube Channel

- पशु-पक्षियों की आकृतियाँ
- गुड़िया एवं मानव आकृतियाँ
- गणेश जी की छोटी मूर्ति
- फूल एवं पत्तियों की आकृतियाँ
- मिट्टी के फल एवं सब्जियाँ
- दीपक एवं छोटे पात्र
- सजावटी वस्तुएँ
- ग्रामीण जीवन से संबंधित आकृतियाँ
- अपनी कल्पना पर आधारित कलाकृतियाँ

6. गतिविधि के दौरान निम्न सावधानियाँ रखी व छात्रों को साझा की गयी -

1. मिट्टी साफ एवं अशुद्धियों से मुक्त होनी चाहिए।
2. मिट्टी को गूंथते समय आवश्यकता से अधिक पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
3. कलाकृति बनाते समय हाथों और कार्यस्थल की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।
4. नुकीले उपकरणों का प्रयोग शिक्षक की देखरेख में करना चाहिए।
5. तैयार कलाकृतियों को सावधानीपूर्वक सुखाना चाहिए।
6. रंगों का प्रयोग करते समय कपड़ों और फर्श को सुरक्षित रखना चाहिए।
7. गतिविधि के बाद सभी सामग्री को व्यवस्थित करके रखना चाहिए।
8. हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना चाहिए।

7. विद्यार्थियों ने क्या सीखा?

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने–

Gyan Hub 5 YouTube Channel

- मिट्टी को गूंथकर विभिन्न आकार देना सीखा।
- प्राकृतिक सामग्री से उपयोगी एवं सुंदर वस्तुएँ बनाना सीखा।
- अपनी कल्पना को कलाकृति के रूप में व्यक्त करना सीखा।
- रंगों का उचित एवं आकर्षक प्रयोग करना सीखा।
- धैर्य और एकाग्रता के साथ कार्य करना सीखा।
- अपनी कला को दूसरों के सामने प्रस्तुत करना सीखा।
- समूह में सहयोग एवं सहभागिता की भावना विकसित की।
- स्थानीय कला एवं पारंपरिक हस्तशिल्प के महत्व को समझा।
- प्राकृतिक संसाधनों के रचनात्मक उपयोग के बारे में जाना।

8. गतिविधि से प्राप्त प्रमुख सीख

"अपने हाथों से बनाई गई वस्तु केवल एक कलाकृति नहीं होती, बल्कि उसमें हमारी कल्पना, मेहनत, धैर्य और रचनात्मकता दिखाई देती है।"

मिट्टी से कलाकृति बनाने की गतिविधि ने विद्यार्थियों को यह समझने में सहायता की कि आसपास उपलब्ध साधारण प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके भी सुंदर, उपयोगी और आकर्षक वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं। इससे उनमें 'करके सीखने' (Learning by Doing) की भावना विकसित हुई।

9. पर्यावरणीय संदेश

मिट्टी एक प्राकृतिक एवं स्थानीय संसाधन है। इसके रचनात्मक उपयोग से विद्यार्थियों में प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। गतिविधि के दौरान अनावश्यक प्लास्टिक एवं कृत्रिम सजावटी सामग्री के स्थान पर प्राकृतिक तथा पुनः उपयोग की जा सकने वाली वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

10. गतिविधि का निष्कर्ष

मिट्टी से खिलौना, मूर्ति एवं कलाकृति निर्माण गतिविधि विद्यार्थियों के लिए आनंददायक, रचनात्मक और ज्ञानवर्धक रही। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने कला के साथ-साथ धैर्य, एकाग्रता, सहयोग, समस्या समाधान और आत्म-अभिव्यक्ति जैसे जीवन कौशल भी सीखे। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उसे विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

11. मूल्यांकन के आधार

विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्न आधारों पर किया गया –

- रचनात्मकता
- कल्पनाशक्ति
- मिट्टी को आकार देने का कौशल
- कलाकृति की सुंदरता एवं मौलिकता
- रंगों का प्रयोग
- कार्य में स्वच्छता एवं सावधानी
- समय पर कार्य पूरा करना
- गतिविधि में सहभागिता
- अपनी कलाकृति के बारे में प्रस्तुतीकरण

Gyan Hub 5 YouTube Channel

गतिवधि में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण -

क्रम संख्या	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर

शिक्षक(गतिविधि संचालक) का नाम -

शिक्षक के हस्ताक्षर दिनांक सहित -

Gyan Hub 5 YouTube Channel

■ द्वितीय बैगलेस दिवस गतिविधि

कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण गतिविधि

दिनाँक- 29 अगस्त 2026 **दिन- शनिवार**

विद्यालय का नाम - **UDISE कोड-**

विकास खंड - **जनपद-**

कक्षा: 6 से 8

गतिविधि का नाम: कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण

गतिविधि का प्रकार: पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधि

1. गतिविधि का परिचय

जैविक कचरे का उचित प्रबंधन आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। रसोई, विद्यालय एवं बगीचों से निकलने वाले जैविक अपशिष्टों को कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट में परिवर्तित करके उपयोगी जैविक खाद बनाई जा सकती है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को जैविक कचरे के पुनर्चक्रण तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया गया तथा उन्हें कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

2. गतिविधि के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को जैविक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी देना।
2. कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण की प्रक्रिया को समझाना।
3. पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना।

Gyan Hub5 YouTube Channel

4. जैविक खेती एवं प्राकृतिक खाद के महत्व को बताना।

5. अपशिष्ट पदार्थों के पुनः उपयोग की भावना विकसित करना।

6. विद्यार्थियों में कार्यकुशलता, जिम्मेदारी एवं पर्यावरणीय चेतना का विकास करना।

7. रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों तथा जैविक खाद के लाभों से परिचित कराना।

8. विद्यालय एवं घर में जैविक कचरे के सदुपयोग के लिए प्रेरित करना।

3. प्रयुक्त सामग्री

कम्पोस्ट निर्माण हेतु

- सूखी पत्तियाँ
- घास-फूस
- सब्जियों एवं फलों के छिलके
- बगीचे का जैविक कचरा
- गोबर
- मिट्टी
- पानी
- कम्पोस्ट गड्ढा या प्लास्टिक ड्रम

वर्मी कम्पोस्ट निर्माण हेतु

- केंचुए (Eisenia fetida अथवा स्थानीय प्रजाति)
- गोबर
- सूखी पत्तियाँ
- कटा हुआ जैविक कचरा
- मिट्टी

Gyan Hub 5 YouTube Channel

- पानी
- वर्मी कम्पोस्ट बेड या टंकी
- छायादार स्थान

4. गतिविधि की प्रक्रिया

चरण 1 – जैविक कचरे का संग्रह

विद्यालय परिसर, बगीचे तथा घरों से सूखी पत्तियाँ, घास, फल एवं सब्जियों के छिलके तथा अन्य जैविक कचरे का संग्रह किया गया।

चरण 2 – कम्पोस्ट गड्ढे/ड्रम की तैयारी

एक निर्धारित स्थान पर गड्ढा या ड्रम तैयार किया गया। उसके तल में सूखी पत्तियों की परत बिछाई गई।

चरण 3 – परतों का निर्माण

सूखी पत्तियों, गोबर, मिट्टी एवं जैविक कचरे की परतें बारी-बारी से लगाई गईं। प्रत्येक परत पर हल्का पानी छिड़का गया ताकि नमी बनी रहे।

चरण 4 – वर्मी कम्पोस्ट बेड तैयार करना

वर्मी कम्पोस्ट हेतु गोबर एवं सूखी पत्तियों का मिश्रण तैयार किया गया। इसके ऊपर केंचुओं को सावधानीपूर्वक छोड़ा गया तथा बेड को छायादार स्थान पर रखा गया।

चरण 5 – नियमित देखभाल

नमी बनाए रखने के लिए समय-समय पर पानी का छिड़काव किया गया। विद्यार्थियों ने खाद बनने की प्रक्रिया का नियमित निरीक्षण किया।

चरण 6 – खाद का निर्माण

Gyan Hub 5 YouTube Channel

कुछ सप्ताह बाद जैविक पदार्थ धीरे-धीरे सड़कर गहरे भूरे रंग की खाद में परिवर्तित हो गए। वर्मी कम्पोस्ट में केंचुओं की सहायता से उत्तम गुणवत्ता की जैविक खाद तैयार हुई।

चरण 7 – उपयोग एवं प्रदर्शन

तैयार कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग विद्यालय की वाटिका एवं पौधों में किया गया तथा विद्यार्थियों को इसके लाभ बताए गए।

5. गतिविधि के दौरान किए गए कार्य

- जैविक एवं अजैविक कचरे का पृथक्करण
- कम्पोस्ट गड्ढा तैयार करना
- जैविक अपशिष्ट एकत्र करना
- केंचुओं की भूमिका को समझना
- खाद बनने की प्रक्रिया का अवलोकन
- तैयार खाद का उपयोग पौधों में करना

6. कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट के लाभ

1. मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।
2. पौधों की वृद्धि बेहतर होती है।
3. रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।
4. पर्यावरण प्रदूषण में कमी आती है।
5. जैविक कचरे का सदुपयोग होता है।
6. मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है।
7. स्वस्थ एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

8. विद्यालय एवं समुदाय में स्वच्छता बनी रहती है।

7. गतिविधि के दौरान सावधानियाँ

1. केवल जैविक कचरे का ही उपयोग करें।
2. प्लास्टिक, कांच एवं धातु के पदार्थ कम्पोस्ट में न डालें।
3. नमी बनाए रखें, परंतु अत्यधिक पानी न डालें।
4. वर्मी कम्पोस्ट बेड को सीधे सूर्य प्रकाश से बचाएँ।
5. केंचुओं को नुकसान न पहुँचाएँ।
6. दुर्गंध रोकने हेतु उचित वायु संचार बनाए रखें।
7. कार्य के बाद हाथों को अच्छी तरह धोएँ।
8. स्वच्छता एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

8. विद्यार्थियों ने क्या सीखा?

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने–

- जैविक एवं अजैविक कचरे में अंतर करना सीखा।
- कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया समझी।
- केंचुओं की पर्यावरणीय भूमिका को जाना।
- जैविक खाद के लाभों की जानकारी प्राप्त की।
- अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व समझा।
- पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक उपाय सीखे।
- टीमवर्क एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित की।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

- स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाने के उपाय सीखे।

9. गतिविधि से प्राप्त प्रमुख सीख

"कचरा समस्या नहीं, बल्कि एक संसाधन है; यदि उसका सही प्रबंधन किया जाए तो वही कचरा पौधों के लिए अमूल्य खाद बन सकता है।"

विद्यार्थियों ने अनुभव किया कि घर एवं विद्यालय से निकलने वाले जैविक अपशिष्टों को उपयोगी जैविक खाद में बदलकर पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता दोनों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

10. पर्यावरणीय संदेश

"गीला कचरा अलग करें, कम्पोस्ट बनाएं और पर्यावरण बचाएं।"

जैविक कचरे का पुनर्चक्रण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

11. गतिविधि का निष्कर्ष

कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रही। इससे उन्हें पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं जैविक खेती के महत्व की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। विद्यार्थियों ने सीखा कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

12. मूल्यांकन के आधार

विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर किया जा सकता है–

Gyan Hub 5 YouTube Channel

- गतिविधि में सहभागिता
- सामग्री का उचित उपयोग
- प्रक्रिया की समझ
- स्वच्छता एवं सुरक्षा
- पर्यावरणीय जागरूकता
- समूह कार्य में सहयोग
- अवलोकन एवं प्रस्तुतीकरण कौशल
- सीखी गई बातों को व्यवहार में अपनाने की क्षमता

गतिविधि में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण -

क्रम संख्या	**विद्यार्थी का नाम**	**कक्षा**	**हस्ताक्षर**

- **शिक्षक(गतिविधि संचालक) का नाम -**
- **शिक्षक के हस्ताक्षर दिनांक सहित -**

Gyan Hub 5 YouTube Channel

■ तृतीय बैगलेस दिवस गतिविधि

"जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन अध्ययन गतिविधि"

दिनाँक- 12 सितम्बर 2026 **दिन-** शनिवार

विद्यालय का नाम - **UDISE कोड-**

विकास खंड - **जनपद-**

कक्षा: 6 से 8

गतिविधि का नाम: जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन अध्ययन

गतिविधि का प्रकार: पर्यावरण संरक्षण एवं जल प्रबंधन गतिविधि

1. गतिविधि का परिचय

जल पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों में से एक है। पीने, भोजन उत्पादन, स्वच्छता, कृषि तथा दैनिक जीवन के लगभग सभी कार्यों के लिए जल आवश्यक है। बढ़ती जनसंख्या, जल के अत्यधिक दोहन, भूजल स्तर में कमी तथा वर्षा जल के उचित उपयोग न होने के कारण अनेक क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने जल के महत्व, जल की बर्बादी के कारणों, जल संरक्षण के उपायों तथा वर्षा जल संचयन की आवश्यकता का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में जल के उपयोग और संभावित जल संरक्षण उपायों का अवलोकन किया तथा वर्षा जल को एकत्र कर उसका उपयोग करने की प्रक्रिया को समझा।

2. गतिविधि के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को जल के महत्व के प्रति जागरूक करना।
2. जल संरक्षण की आवश्यकता एवं उपयोगिता को समझाना।
3. वर्षा जल संचयन की अवधारणा को समझाना।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

4. जल की बर्बादी को रोकने के उपायों की जानकारी देना।

5. विद्यार्थियों को भूजल स्तर एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना।

6. विद्यालय एवं घर में जल बचाने की आदत विकसित करना।

7. वर्षा जल के उचित उपयोग एवं पुनर्भरण की जानकारी देना।

8. विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना।

9. जल संकट के कारणों एवं उसके संभावित समाधान का अध्ययन कराना।

10. विद्यार्थियों को "जल है तो कल है" के संदेश से जोड़ना।

3. प्रयुक्त सामग्री

- बाल्टी एवं पानी रखने के पात्र
- बोतल/प्लास्टिक कंटेनर
- पाइप या PVC पाइप
- कीप
- पारदर्शी बोतल
- मापने का पात्र
- चार्ट पेपर
- स्केच पेन एवं रंग
- नोटबुक एवं पेन
- वर्षा जल संचयन का मॉडल बनाने हेतु कार्डबोर्ड
- मिट्टी, रेत एवं कंकड़
- पौधे एवं गमले
- उपलब्ध स्थानीय सामग्री

Gyan Hub 5 YouTube Channel

4. गतिविधि की प्रक्रिया

चरण 1 – जल के स्रोतों का अध्ययन

विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय एवं आसपास उपलब्ध जल स्रोतों की जानकारी एकत्र की। उन्होंने हैंडपंप, नल, कुआँ, तालाब, टंकी तथा अन्य जल स्रोतों का निरीक्षण किया और उनके उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की।

चरण 2 – जल उपयोग का अवलोकन

विद्यार्थियों ने विद्यालय में विभिन्न स्थानों पर होने वाले जल उपयोग का अवलोकन किया। उन्होंने यह देखा कि पेयजल, हाथ धोने, सफाई, पौधों की सिंचाई तथा अन्य कार्यों में पानी कहाँ-कहाँ उपयोग होता है।

चरण 3 – जल की बर्बादी की पहचान

विद्यार्थियों ने पानी की बर्बादी के संभावित स्थानों की पहचान की, जैसे–

- खुले नल
- टपकते हुए नल
- आवश्यकता से अधिक पानी का प्रयोग
- पाइप से अनावश्यक पानी बहना
- सफाई में अत्यधिक पानी का उपयोग

विद्यार्थियों ने जल की बर्बादी को रोकने के उपायों पर चर्चा की।

चरण 4 – वर्षा जल संचयन को समझना

विद्यार्थियों को समझाया गया कि वर्षा के समय छतों एवं खुले स्थानों पर गिरने वाले पानी को पाइप के माध्यम से किसी टंकी या उपयुक्त संरचना में एकत्र किया जा सकता है। इस जल का उपयोग उपयुक्त उपचार के बाद किया जा सकता है तथा भूजल पुनर्भरण के लिए भी उपयोग किया जा सकता है।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

चरण 5 – वर्षा जल संचयन का मॉडल

विद्यार्थियों ने कार्डबोर्ड, बोतल, पाइप, मिट्टी, रेत एवं कंकड़ की सहायता से एक छोटा वर्षा जल संचयन मॉडल तैयार किया। मॉडल में छत से पाइप के माध्यम से पानी को टंकी अथवा सोख्ता गड्ढे तक पहुँचाने की प्रक्रिया दिखाई गई।

चरण 6 – जल संरक्षण के उपायों की सूची बनाना

विद्यार्थियों ने समूह में चर्चा करके जल बचाने के विभिन्न उपाय लिखे, जैसे–

- नल को आवश्यकता न होने पर बंद रखना।
- टपकते नल की मरम्मत कराना।
- बाल्टी से स्नान करना।
- पौधों में आवश्यकता के अनुसार पानी देना।
- वर्षा जल का संचयन करना।
- घर एवं विद्यालय में जल का अनावश्यक उपयोग रोकना।
- उपयोग किए गए उपयुक्त पानी का पुनः उपयोग करना।

चरण 7 – जागरूकता गतिविधि

विद्यार्थियों ने "जल बचाओ-भविष्य बचाओ", "जल है तो जीवन है" तथा "वर्षा जल बचाएँ, भूजल बढ़ाएँ" जैसे संदेशों के पोस्टर एवं स्लोगन तैयार किए और विद्यालय में प्रदर्शित किए।

5. वर्षा जल संचयन की सरल प्रक्रिया

वर्षा → छत → पाइप → फिल्टर → संग्रह टंकी/सोख्ता गड्ढा → उपयोग/भूजल पुनर्भरण

वर्षा के पानी को छत से पाइप के माध्यम से एकत्र किया जाता है। प्रारंभिक गंदगी को अलग करने के बाद पानी को फिल्टर करके संग्रह टंकी में रखा जा सकता है। आवश्यकता और स्थानीय व्यवस्था के अनुसार वर्षा जल को भूजल पुनर्भरण संरचना में भी पहुँचाया जा सकता है।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

6. जल संरक्षण के प्रमुख उपाय

1. नल को खुला न छोड़ना।
2. टपकते नलों एवं पाइपों की समय पर मरम्मत करना।
3. आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करना।
4. वर्षा जल का संचयन करना।
5. घर एवं विद्यालय में जल की नियमित निगरानी करना।
6. पौधों की सिंचाई सुबह या शाम के समय करना।
7. जल स्रोतों को कचरे एवं प्रदूषण से बचाना।
8. पानी के पुनः उपयोग की संभावनाओं को अपनाना।
9. भूजल के अनावश्यक दोहन को कम करना।
10. दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए जागरूक करना।

7. विद्यार्थियों द्वारा किया गया अध्ययन

विद्यार्थियों ने निम्नलिखित बिंदुओं पर अध्ययन किया–

- विद्यालय में जल के प्रमुख स्रोत।
- पानी का दैनिक उपयोग।
- पानी की बर्बादी के स्थान।
- जल बचाने के संभावित उपाय।
- वर्षा जल संचयन की आवश्यकता।
- भूजल पुनर्भरण का महत्व।
- जल संरक्षण में विद्यार्थियों एवं समुदाय की भूमिका।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

8. गतिविधि के दौरान सावधानियाँ

1. जल स्रोतों को गंदा नहीं करना चाहिए।
2. पीने के पानी को दूषित होने से बचाना चाहिए।
3. वर्षा जल संचयन की संरचना को स्वच्छ रखना चाहिए।
4. पाइप एवं अन्य उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना चाहिए।
5. किसी भी विद्युत उपकरण के पास पानी का प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।
6. गतिविधि के बाद कार्यस्थल को साफ करना चाहिए।
7. पानी को अनावश्यक रूप से बहने नहीं देना चाहिए।
8. विद्यार्थियों को गतिविधि शिक्षक की देखरेख में करनी चाहिए।

9. विद्यार्थियों ने क्या सीखा?

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने–

- जल के महत्व को समझा।
- जल संकट के प्रमुख कारणों की जानकारी प्राप्त की।
- जल की बर्बादी को पहचानना सीखा।
- जल संरक्षण के व्यावहारिक उपाय सीखे।
- वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया समझी।
- भूजल पुनर्भरण के महत्व को जाना।
- जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने की आवश्यकता समझी।
- समूह में सर्वेक्षण एवं अध्ययन करना सीखा।
- पोस्टर एवं स्लोगन के माध्यम से जागरूकता फैलाना सीखा।
- प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित की।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

10. गतिविधि से प्राप्त प्रमुख सीख

“जल की हर बूंद अनमोल है; आज बचाया गया पानी ही भविष्य की आवश्यकता पूरी करेगा।”

विद्यार्थियों ने समझा कि जल संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति, परिवार, विद्यालय और समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से जल की बड़ी मात्रा बचाई जा सकती है।

11. पर्यावरणीय संदेश

“जल बचाएँ - जीवन बचाएँ”

“वर्षा जल को व्यर्थ न बहने दें, इसे संचित करें और भूजल बढ़ाएँ।”

“जल है तो कल है।”

वर्षा जल संचयन से वर्षा के पानी को व्यर्थ बहने से रोका जा सकता है और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार इसे उपयोग या भूजल पुनर्भरण के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

12. गतिविधि का निष्कर्ष

जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन अध्ययन गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रही। विद्यार्थियों ने जल के महत्व, जल की बर्बादी, संरक्षण के उपाय तथा वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा। इस गतिविधि ने उनमें जल के प्रति जिम्मेदारी तथा पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित की।

विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं पानी की बर्बादी नहीं करेंगे और अपने परिवार एवं समुदाय के लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे।

13. विद्यार्थियों की जल संरक्षण शपथ

“मैं जल की प्रत्येक बूंद का सम्मान करूँगा/करूँगी। मैं पानी को व्यर्थ नहीं बहाऊँगा/बहाऊँगी, नलों को खुला नहीं छोड़ूँगा/छोड़ूँगी और वर्षा जल के संचयन के लिए लोगों को जागरूक

Gyan Hub 5 YouTube Channel

करूँगा/करूँगी। मैं अपने विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्र में जल संरक्षण में सहयोग करूँगा/करूँगी।”

14. मूल्यांकन के आधार

विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्नलिखित आधारों पर किया जा सकता है–

- गतिविधि में सहभागिता
- जल संरक्षण की अवधारणा की समझ
- वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया की समझ
- सर्वेक्षण एवं अवलोकन कौशल
- मॉडल निर्माण में रचनात्मकता
- पोस्टर एवं स्लोगन निर्माण
- समूह कार्य में सहयोग
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता
- सीखी गई बातों को व्यवहार में अपनाने की क्षमता

गतिविधि में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण -

क्रम संख्या	**विद्यार्थी का नाम**	**कक्षा**	**हस्ताक्षर**

- **शिक्षक(गतिविधि संचालक) का नाम -**
- **शिक्षक के हस्ताक्षर दिनांक सहित -**

Gyan Hub 5 YouTube Channel

चतुर्थ बैगलेस दिवस गतिविधि

"स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा चाइल्ड सेफ्टी (गुड टच एवं बैड टच) जागरूकता गतिविधि"

दिनाँक- 19 सितम्बर 2026 **दिन-** शनिवार

विद्यालय का नाम - ______________________ **UDISE कोड-** ____________

विकास खंड - ____________________________ **जनपद-** _______________

कक्षा: 6 से 8

गतिविधि का नाम: स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा चाइल्ड सेफ्टी (गुड टच एवं बैड टच)

गतिविधि का प्रकार: स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं बाल सुरक्षा जागरूकता गतिविधि

1. गतिविधि का परिचय

स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित व्यवहार विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता की अच्छी आदतें अनेक बीमारियों से बचाव करती हैं तथा विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सक्रिय बनाए रखने में सहायता करती हैं।

इसके साथ ही बच्चों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक होना भी आवश्यक है। गुड टच एवं बैड टच की जानकारी बच्चों को यह समझने में सहायता करती है कि कौन-सा स्पर्श सुरक्षित, स्नेहपूर्ण एवं स्वीकार्य है और कौन-सा स्पर्श उन्हें असहज, डरावना या असुरक्षित महसूस करा सकता है।

इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ धोने, स्वच्छ भोजन, स्वच्छ वातावरण, स्वास्थ्य संबंधी अच्छी आदतों तथा बाल सुरक्षा के विषय में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज या अनुचित तरीके से छूता है, तो उन्हें चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि सुरक्षित व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

2. गतिविधि के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना।

2. दैनिक जीवन में स्वच्छता की अच्छी आदतें विकसित करना।

3. हाथों को सही तरीके से धोने का महत्व समझाना।

4. स्वच्छ भोजन एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व की जानकारी देना।

5. विद्यालय एवं घर को स्वच्छ रखने की आदत विकसित करना।

6. विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करना।

7. गुड टच एवं बैड टच की सामान्य अवधारणा को समझाना।

8. विद्यार्थियों को असहज या अनुचित स्पर्श की स्थिति में उचित प्रतिक्रिया देना सिखाना।

9. बच्चों को "नहीं" कहने, वहाँ से हटने और विश्वसनीय वयस्क को बताने के लिए प्रोत्साहित करना।

10. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जागरूकता एवं सुरक्षित व्यवहार की भावना विकसित करना।

11. बच्चों को यह समझाना कि किसी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं दोषी नहीं हैं।

12. आवश्यकता पड़ने पर अभिभावक, शिक्षक या अन्य विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित करना।

3. प्रयुक्त सामग्री

साबुन एवं पानी

हैंडवॉश/सेनेटाइजर

स्वच्छता संबंधी चार्ट एवं पोस्टर

चार्ट पेपर

स्केच पेन एवं रंग

Gyan Hub 5 YouTube Channel

नोटबुक एवं पेन

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी चित्र

गुड टच एवं बैड टच संबंधी जागरूकता चार्ट

व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी संदेश कार्ड

उपलब्ध स्थानीय सामग्री

4. गतिविधि की प्रक्रिया

चरण 1 - स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर चर्चा

शिक्षक ने विद्यार्थियों से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में चर्चा की। विद्यार्थियों से पूछा गया कि स्वस्थ रहने के लिए हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और निम्नलिखित आदतों पर चर्चा की–

प्रतिदिन स्नान करना।

साफ कपड़े पहनना।

भोजन से पहले और शौचालय के बाद हाथ धोना।

नाखूनों को साफ एवं छोटे रखना।

स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी पीना।

पौष्टिक भोजन करना।

आसपास गंदगी न फैलाना।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

चरण 2 - सही तरीके से हाथ धोने का अभ्यास

विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही प्रक्रिया समझाई गई।

हाथ गीले करना → साबुन लगाना → हथेली रगड़ना → हाथों की पीठ साफ करना → उँगलियों के बीच साफ करना → नाखून साफ करना → अंगूठे साफ करना → पानी से धोना → साफ कपड़े/तौलिये से सुखाना

विद्यार्थियों ने स्वयं हाथ धोने की प्रक्रिया का अभ्यास किया।

चरण 3 - व्यक्तिगत स्वच्छता का निरीक्षण

विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित अच्छी आदतों पर चर्चा की। उन्हें बताया गया कि शरीर, कपड़े, बाल, दाँत, नाखून तथा हाथ-पैर की स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

विद्यार्थियों ने यह भी समझा कि स्वच्छता केवल स्वयं तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यालय और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना भी सभी की जिम्मेदारी है।

चरण 4 - स्वच्छ वातावरण का अध्ययन

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और निम्नलिखित स्थानों को देखा–

पेयजल स्थल

शौचालय

हाथ धोने का स्थान

कक्षा-कक्ष

विद्यालय परिसर

कूड़ेदान

भोजन/मध्याह्न भोजन क्षेत्र

Gyan Hub 5 YouTube Channel

विद्यार्थियों ने स्वच्छता से संबंधित अच्छी व्यवस्थाओं तथा सुधार की आवश्यकता वाले स्थानों की पहचान की।

चरण 5 - चाइल्ड सेफ्टी की जानकारी

शिक्षक ने विद्यार्थियों को समझाया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित रहने का अधिकार है। बच्चों को अपने शरीर और व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान करना चाहिए तथा किसी भी ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करना चाहिए जिससे वे डरें, असहज हों या असुरक्षित महसूस करें।

विद्यार्थियों को बताया गया कि उनका शरीर उनका अपना है और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठाने का अधिकार है।

चरण 6 - गुड टच एवं बैड टच को समझना

विद्यार्थियों को उम्र के अनुरूप सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया कि–

गुड टच: ऐसा सुरक्षित एवं उचित स्पर्श जिससे बच्चा सहज, सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे, जैसे आवश्यकता के अनुसार माता-पिता या शिक्षक द्वारा मदद करना अथवा स्नेहपूर्वक अभिवादन करना।

बैड टच/अनुचित स्पर्श: ऐसा स्पर्श जिससे बच्चा असहज, डरा हुआ या असुरक्षित महसूस करे अथवा ऐसा कोई स्पर्श जिसे बच्चा नहीं चाहता।

विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि केवल स्पर्श ही नहीं, बल्कि कोई व्यक्ति उन्हें अनुचित तरीके से देखने, दिखाने, संदेश भेजने या ऐसा व्यवहार करने की कोशिश करे जिससे वे असहज हों, तो भी उन्हें किसी विश्वसनीय वयस्क को बताना चाहिए।

चरण 7 - असुरक्षित स्थिति में क्या करें?

विद्यार्थियों को सरल "नहीं-हटो-बताओ" संदेश समझाया गया–

नहीं: यदि कोई अनुचित या असहज व्यवहार करे तो स्पष्ट रूप से "नहीं" कहें।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

हटो: सुरक्षित स्थान की ओर चले जाएँ और उस व्यक्ति से दूरी बनाएँ।

बताओ: माता-पिता, शिक्षक, अभिभावक या किसी विश्वसनीय वयस्क को तुरंत बताएं।

विद्यार्थियों को समझाया गया कि यदि पहली बार बताने पर उनकी बात पर विश्वास न किया जाए तो किसी अन्य विश्वसनीय व्यक्ति को अवश्य बताना चाहिए।

चरण 8 - जागरूकता पोस्टर एवं स्लोगन

विद्यार्थियों ने समूह में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं बाल सुरक्षा से संबंधित पोस्टर और स्लोगन बनाए।

उदाहरण–

“स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें।”

“स्वच्छता अपनाएँ, बीमारियों को दूर भगाएँ।”

“मेरा शरीर, मेरी सुरक्षा।”

“असहज लगे तो तुरंत बताओ।”

“नहीं कहो, सुरक्षित जगह जाओ, भरोसेमंद व्यक्ति को बताओ।”

“चुप्पी नहीं, सुरक्षा के लिए आवाज उठाएँ।”

5. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की सरल प्रक्रिया

स्वच्छ हाथ → स्वच्छ भोजन → स्वच्छ पानी → स्वच्छ शरीर → स्वच्छ वातावरण → स्वस्थ जीवन

विद्यार्थियों ने समझा कि नियमित स्वच्छता की आदतें अपनाकर अनेक संक्रमण एवं बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

6. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रमुख उपाय

1. भोजन से पहले हाथ धोना।
2. शौचालय के बाद हाथों को साबुन से धोना।
3. स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी पीना।
4. ताजा एवं पौष्टिक भोजन करना।
5. नाखूनों को साफ और छोटे रखना।
6. प्रतिदिन दाँतों की सफाई करना।
7. नियमित स्नान करना।
8. साफ कपड़े पहनना।
9. कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालना।
10. विद्यालय एवं घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखना।

7. बाल सुरक्षा के प्रमुख उपाय

1. अपने शरीर एवं व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान करना।
2. किसी भी असहज या अनुचित स्पर्श को स्वीकार न करना।
3. आवश्यकता होने पर स्पष्ट रूप से “नहीं” कहना।
4. असुरक्षित स्थिति से तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाना।
5. किसी विश्वसनीय वयस्क को घटना की जानकारी देना।
6. डर या शर्म के कारण बात को छिपाना नहीं।
7. ऑनलाइन भी अनजान व्यक्तियों से सावधानी बरतना।
8. अपनी निजी जानकारी, फोटो या पासवर्ड किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करना।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

9. किसी मित्र के साथ गलत व्यवहार होने पर उसे विश्वसनीय वयस्क तक पहुँचने में सहायता करना।

10. यह समझना कि अनुचित व्यवहार के लिए बच्चा दोषी नहीं होता।

8. विद्यार्थियों द्वारा किया गया अध्ययन

विद्यार्थियों ने निम्नलिखित बिंदुओं पर अध्ययन किया–

व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व।

हाथ धोने की सही प्रक्रिया।

स्वच्छ पेयजल का महत्व।

स्वस्थ भोजन एवं स्वास्थ्यकर आदतें।

विद्यालय परिसर की स्वच्छता।

व्यक्तिगत सुरक्षा एवं सुरक्षित व्यवहार।

गुड टच एवं बैड टच की सामान्य समझ।

असहज स्थिति में "नहीं-हटो-बताओ" का पालन।

विश्वसनीय वयस्क से सहायता लेने का महत्व।

ऑनलाइन एवं ऑफलाइन सुरक्षा के प्रति सावधानी।

9. गतिविधि के दौरान सावधानियाँ

1. विद्यार्थियों से बाल सुरक्षा संबंधी चर्चा उनकी उम्र के अनुरूप सरल एवं संवेदनशील भाषा में की जाए।

2. किसी विद्यार्थी को व्यक्तिगत घटना बताने के लिए सार्वजनिक रूप से बाध्य न किया जाए।

3. किसी बच्चे के अनुभव या शिकायत को मजाक में न लिया जाए।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

4. बच्चों को दोषी या शर्मिंदा महसूस न कराया जाए।

5. व्यक्तिगत स्वच्छता गतिविधि के दौरान स्वच्छ सामग्री का प्रयोग किया जाए।

6. विद्यार्थियों को हाथ धोने एवं स्वच्छता के सही तरीके का अभ्यास कराया जाए।

7. बाल सुरक्षा से संबंधित किसी चिंता/शिकायत की स्थिति में विद्यालय की निर्धारित बाल-सुरक्षा प्रक्रिया का पालन किया जाए।

8. गतिविधि शिक्षक की देखरेख में आयोजित की जाए।

10. विद्यार्थियों ने क्या सीखा?

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने–

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का महत्व समझा।

हाथ धोने की सही प्रक्रिया सीखी।

स्वच्छ भोजन एवं सुरक्षित पानी का महत्व जाना।

व्यक्तिगत स्वच्छता की अच्छी आदतों को समझा।

विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी समझी।

व्यक्तिगत सुरक्षा एवं सुरक्षित व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गुड टच एवं बैड टच की सामान्य अवधारणा समझी।

असहज स्थिति में "नहीं-हटो-बताओ" का तरीका सीखा।

विश्वसनीय वयस्क से सहायता लेने का महत्व समझा।

आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता समझी।

यह जाना कि किसी अनुचित व्यवहार के लिए बच्चा दोषी नहीं होता।

Gyan Hub 5 YouTube Channel

11. गतिविधि से प्राप्त प्रमुख सीख

"स्वच्छता अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और जागरूकता बच्चों की सुरक्षा की पहली सीढ़ी है।"

विद्यार्थियों ने समझा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता की अच्छी आदतें अपनाना आवश्यक है। साथ ही प्रत्येक बच्चे को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी असहज या अनुचित व्यवहार की स्थिति में चुप न रहकर किसी विश्वसनीय वयस्क से सहायता लेनी चाहिए।

12. स्वास्थ्य एवं बाल सुरक्षा संदेश

"स्वच्छ रहें - स्वस्थ रहें।"

"मेरा शरीर - मेरी सुरक्षा।"

"असहज लगे तो चुप न रहें, तुरंत बताएं।"

"नहीं कहें, सुरक्षित स्थान पर जाएँ और भरोसेमंद व्यक्ति को बताएं।"

"जागरूक बच्चा - सुरक्षित बच्चा।"

13. विद्यार्थियों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा शपथ

"मैं अपने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का ध्यान रखूँगा/रखूँगी। मैं अपने शरीर को स्वच्छ रखूँगा/रखूँगी और अपने आसपास का वातावरण भी स्वच्छ रखने में सहयोग करूँगा/करूँगी। मैं अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक रहूँगा/रहूँगी। यदि कोई व्यवहार या स्पर्श मुझे असहज या असुरक्षित महसूस कराएगा, तो मैं स्पष्ट रूप से 'नहीं' कहूँगा/कहूँगी, सुरक्षित स्थान पर जाऊँगा/जाऊँगी और अपने माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी दूँगा/दूँगी। मैं स्वयं सुरक्षित रहूँगा/रहूँगी और अपने साथियों को भी सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करूँगा/करूँगी।"

Gyan Hub 5 YouTube Channel

14. मूल्यांकन के आधार

विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्नलिखित आधारों पर किया जा सकता है–

गतिविधि में सहभागिता।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की अवधारणा की समझ।

हाथ धोने की सही प्रक्रिया का प्रदर्शन।

स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों की जानकारी।

विद्यालय परिसर की स्वच्छता के प्रति जागरूकता।

बाल सुरक्षा की सामान्य समझ।

गुड टच एवं बैड टच की अवधारणा की समझ।

असहज स्थिति में उचित प्रतिक्रिया की जानकारी।

पोस्टर एवं स्लोगन निर्माण में रचनात्मकता।

समूह कार्य में सहयोग।

सुरक्षित एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की क्षमता।

गतिवधि में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण -

क्रम संख्या	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर

- **शिक्षक(गतिविधि संचालक) का नाम -**
- **शिक्षक के हस्ताक्षर दिनांक सहित -**

Gyan Hub5 YouTube Channel